

Padma Shri



SHRI O. M. NAMBIAR (POSTHUMOUS)

Shri O. M. Nambiar was an Indian Athletic Coach who represented India as Coach and Manager in several international meets like Olympics, World Championships, Asian Games, Asian Track and Field meets etc. He was the guiding force behind the ace Indian athlete, Golden Girl P. T. Usha who secured highest number of international medals in any form of sports and games for India. He is the first recipient of Dronacharya Award in 1985 from honorable President of India.

2. Born on 15th February, 1936, Shri Nambiar began his career from Guruvayurappan College in Kozhikode, Kerala where he was an athletic champion. He was selected to Indian Air Force from the Recruitment Camp at Tambaram, Chennai, in 1955 and was with Indian Air Force for fifteen years. He was decathlon champion for three consecutive years and was also athletic Coach of the Services Team. He retired from Indian Air Force as a Sergeant in 1970.

3. Shri Nambiar turned into full time Coach after securing prestigious Diploma from the NIS-Patiala in 1968 and joined as the Coach at the Kerala Sports Council in 1970. He was the Coach of the Indian Team from 1981 to 1990. In 1982, he was the Coach cum Manager of the Indian Team for Commonwealth Games at Brisbane, Australia. He served as Indian Coach in various international meets like Asian Track and Field in Kuwait (1983); Los Angeles Olympics (1984); Asian Track and Field Meet in Jakarta; World Cup in Canberra in Australia (1985); Asian Games in Seoul (1986); World Championship in Rome (1987); Seoul Olympics (1988); Asian Track and Field in Singapore (1989).

4. During his illustrious career, Shri Nambiar trained several international athletes apart from P.T.Usha, athletes like Shiny Abraham, Vandan Rao, Vandan Shanbagh, Mercy Kuttan etc. were his trainees. He joined the Sports Authority of India (SAI) in 1990 where he moulded and guided many promising athletes like Beena Augustine, Sukumari, Linet Mathew and so on. He had also served as the Senior Coach of St. Stephen's International School in Hyderabad, Telangana. Even after retirement from his professional services, he continued to train local athletes around his hometown. He generously donated his own land for building Volleyball Court, Library and Reading Room and Land for needy people in the neighborhood.

5. Shri Nambiar had received numerous awards and honours. In addition to top Dronacharya Award, he received 'Best Asian Coach Award' in 1985, AMLA Lifetime Achievement Award in 2015 and Olympian Suresh Babu Memorial Lifetime Achievement Award in 2015.

6. Shri Nambiar passed away on 19th August, 2021.



श्री ओ. एम. नम्बियार (मरणोपरांत)

श्री ओ. एम. नम्बियार एक भारतीय एथलेटिक कोच थे, जिन्होंने ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, एशियाई ट्रैक एंड फील्ड मीट आदि जैसी कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कोच और प्रबंधक के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। वह भारत में किसी भी खेलकूद में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय पदक जीतने वाली सर्वश्रेष्ठ भारतीय धाविका गोल्डन गर्ल पी.टी. उषा के प्रेरणास्रोत थे। वह 1985 में भारत के माननीय राष्ट्रपति से द्रोणाचार्य पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति थे।

2. 15 फरवरी, 1936, को जन्मे श्री नम्बियार ने केरल के कोझीकोड के गुरुवायुरप्पन कॉलेज से अपना करियर शुरू किया, जहां वह एथलेटिक चैंपियन थे। 1955 में चेन्नै के तांबरम में भर्ती शिविर से उनका चयन भारतीय वायु सेना के लिए हुआ तथा वह 15 वर्षों तक भारतीय वायु सेना में रहे। वह लगातार तीन वर्ष तक डिफेंसलॉन चैंपियन रहे और वह सर्विसेस की टीम के एथलेटिक कोच भी थे। 1970 में वह भारतीय वायुसेना से सार्जेंट के पद से सेवानिवृत्त हुए।

3. एनआईएस पटियाला से 1968 में प्रतिष्ठित डिप्लोमा प्राप्त करने के पश्चात श्री नम्बियार फुल टाइम कोच बन गए और 1970 में केरल स्पोर्ट्स कोच के रूप में पदभार संभाला। वह 1981 से 1990 तक भारतीय टीम के कोच रहे। 1982 में वह ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया में राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय टीम के कोच-सह-प्रबंधक थे। वह विभिन्न अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं जैसे कुवैत में एशियन ट्रैक एंड फील्ड (1983), लॉस एंजिल्स ओलंपिक (1984), जकार्ता में एशियन ट्रैक एंड फील्ड मीट, ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा में विश्व कप (1985), सियोल के एशियाई खेल (1986), रोम में वर्ल्ड चैंपियनशिप (1987), सियोल ओलंपिक (1988), सिंगापुर में एशियन ट्रैक एंड फील्ड (1989) में भारतीय कोच रहे।

4. अपने शानदार करियर के दौरान, श्री नम्बियार ने पी.टी.उषा के अलावा कई अंतरराष्ट्रीय एथलीटों जैसे शाइनी अब्राहम, वंदना राव, वंदना शानबाग, मर्सी कुट्टन आदि को प्रशिक्षण प्रदान किया। श्री नम्बियार 1990 में भारतीय खेल प्राधिकरण से जुड़े जहां उन्होंने बीना ऑगस्टीन, सुकुमारी, लिनेट मैथ्यू आदि अनेक एथलीटों की प्रतिभा को निखारा और उनका मार्गदर्शन किया। उन्होंने हैदराबाद, तेलंगाना के सेंट स्टीफन इंटरनेशनल स्कूल के वरिष्ठ कोच के रूप में भी कार्य किया। अपनी पेशेवर सेवाओं से सेवानिवृत्ति के बाद भी, उन्होंने अपने गृह नगर के आसपास के स्थानीय एथलीटों को प्रशिक्षण देना जारी रखा। उन्होंने वॉलीबॉल कोर्ट, लाइब्रेरी तथा रीडिंग रूम बनाने के लिए तथा आसपड़ोस के जरूरतमंद लोगों के लिए अपनी स्वयं की भूमि उदारतापूर्वक दान में दे दी।

5. श्री नम्बियार को कई पुरस्कार और सम्मान प्रदान किए गए हैं। सर्वोच्च द्रोणाचार्य पुरस्कार के अलावा, उन्हें 1985 में 'सर्वश्रेष्ठ एशियाई कोच पुरस्कार', 2015 में एएमएलए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड और 2015 में ओलंपियन सुरेश बाबू मेमोरियल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्राप्त हुआ।

6. श्री नम्बियार का 19 अगस्त, 2021 को देहावसान हो गया।